संख्या-3/1247/22-2-2014-26 जी/2014

प्रेषक,

राम कुमार,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ : दिनांक 15 सितम्बर, 2014

विषय- मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद तथा लखनऊ खण्डपीठ के समक्ष योजित क्रिमिनल रिट याचिकाओं में मा0 न्यायालय द्वारा पारित आदेश/निर्णय के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ अधीक्षक(मु0) कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0 प्र0, लखनऊ के पत्र संख्या-24520/प्रोवेशन-(1)/17-ल0वा0/2014 दिनांक 29-08-2014 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद तथा लखनऊ खण्डपीठ द्वारा विचाराधीन क्रिमिनल रिट याचिकाओं या अन्तिम रूप से निस्तारित निम्नलिखित क्रिमिनल रिट याचिकाओं में सिद्धदोष बन्दियों की समयपूर्व रिहाई के प्रकरणों में समयान्तर्गत निर्णय लिये जाने के आदेश दिये गये है:-

क्रमांक	क्रिमिनल रिट याचिका की संख्या	मा0 उच्च न्यायालय की खण्डपीठ	आदेश/निर्णय की तिथि	सिद्धदोष बन्दियों की समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में निर्णय लिये जाने की समयावधि
1	क्रिमिनल रिट याचिका संख्या-13963/2013 जगदीश श्रीवास्तव बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य	इलाहाबाद	14-05-2014	08-07-2014 तक
2	क्रिमिनल रिट याचिका संख्या-14666/2013 गोपाल बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य	इलाहाबाद	14-05-2014	08-07-2014 तक
3	क्रिमिनल रिट याचिका संख्या-22280/2013 ज्ञान प्रकाश राय बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य	इलाहाबाद	14-08-2014	आदेश की तिथि से 04 माह के अन्दर **(रिट याचिका अन्तिम रूप से निस्तारित)**
4	क्रिमिनल रिट याचिका संख्या-6490/2013 जयन्ती प्रसाद बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य	इलाहाबाद	15-04-2014	आदेश प्राप्ति की तिथि से 02 माह के अन्दर **(रिट याचिका अन्तिम रूप से निस्तारित)**
5	क्रिमिनल रिट याचिका संख्या-3598(एमबी)/2014 होरी लाल बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य	लखनऊ	11-08-2014	आदेश प्राप्ति की तिथि से 03 माह के अन्दर **(रिट याचिका अन्तिम रूप से**

http://shasanadesh.up.nic.in/

				निस्तारित)
6	क्रिमिनल रिट याचिका संख्या-1237(एमबी)/2014 राम प्रताप यादव बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य	लखनऊ	11-08-2014	आदेश प्राप्ति की तिथि से 01 माह के अन्दर **(रिट याचिका अन्तिम रूप से निस्तारित)**
7	क्रिमिनल रिट याचिका संख्या-10416(एमबी)/2013 शिव कुमार बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य	लखनऊ	25-08-2014	आदेश प्राप्ति की तिथि से 03 माह के अन्दर **(रिट याचिका अन्तिम रूप से निस्तारित)**
8	क्रिमिनल रिट याचिका संख्या-2972(एमबी)/2014 अशफाक उर्फ हग्गन बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य	लखनऊ	05-08-2014	आदेश प्राप्ति की तिथि से 03 माह के अन्दर **(रिट याचिका अन्तिम रूप से निस्तारित)**
9	क्रिमिनल रिट याचिका संख्या-3030(एमबी)/2014 बलवन्त व अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य	लखनऊ	11-08-2014	आदेश प्राप्ति की तिथि से 02 माह के अन्दर **(रिट याचिका अन्तिम रूप से निस्तारित)**

3- आप अवगत ही है कि क्रिमिनल रिट याचिका संख्या-48/2014 भारत संघ बनाम वी0 श्रीहरन उर्फ मुर्गन व अन्य में मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा पारित स्थगन आदेश दिनांक 09-07-2014 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित सिद्धदोष बन्दियों की समयपूर्व रिहाई पर रोक लगा दी गयी है। मा0 उच्चतम न्यायालय का स्थगन आदेश प्रभावी रहते सिद्धदोष बन्दियों की समयपूर्व रिहाई के प्रकरणों में मा0 उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में समयान्तर्गत निर्णय लिया जाना सम्भव नहीं है।

4- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उपरोक्त प्रस्तर-2 में उल्लिखित क्रिमिनल रिट याचिकाओं तथा अन्य क्रिमिनल रिट याचिकायें, जिसमें मा0 उच्च न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित सिद्धदोष बन्दियों की समयपूर्व रिहाई के प्रकरणों में समयान्तर्गत निर्णय लिये जाने के आदेश दिये गये है, में मा0 उच्च न्यायालय की सम्बन्धित खण्डपीठ के समक्ष सम्पूर्ण तथ्यों को रखते हुए उचित निर्देश/आदेश दिये जाने हेतु मा0 उच्च न्यायालय से अनुरोध करने का कष्ट करें, ताकि अवमानना की स्थिति उत्पन्न न हो सके। मा0 उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश से कृपया शासन को तत्काल सूचित करने का भी कष्ट करें।

भवदीय,

(राम कुमार)
अनु सचिव।

<u>संख्या-3/1247/22-2-2014 तददिनांक।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- शासकीय अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद।
2- शासकीय अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ, लखनऊ।
3- वरिष्ठ अधीक्षक (नोडलअधिकारी), केन्द्रीय कारागार, नैनी, इलाहाबाद।

आज्ञा से,

(राम कुमार)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in/